



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

जम्मू-कश्मीर में पुलवामा के बाद सबसे बड़ा हमला 26 मॉर्तें: आतंकियों ने ट्रिस्ट के नाम पूछकर गोली मारी

आतंकियों की 15 पॉइंट्स पर घेराबंदी, इजराइल-इटली के 2 ट्रिस्ट मारे गए

नई दिल्ली 22 अप्रैल (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई, इसके हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा, ‘मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है. मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं ।’

पीएम मोदी ने कहा, ‘प्रभावित

लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है. इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाएगा... उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा. आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा । पहलगाम हमले के बाद गुह मंत्री अमित शाह ने इमरजेंसी बैठक बुलाई जिसमें आईबी चीफ, गुह सचिव बैठक शामिल हुए. बैठक के बाद गुह मंत्री श्रीनगर पहुंच गए. गुह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस घटना की जानकारी दी, जिसमे बाद पीएम ने उन्हें घटनास्थल पर जाने के लिए कहा. गुह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी

को घटना के बारे में जानकारी दी है और आतंकवादी हमले के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की । **कड़ी कार्रवाई करेंगे** – केंद्रीय गुह मंत्री अमित शाह ने कहा, ‘‘जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं. मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं. इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे. उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे. ’’ गुह मंत्री ने कहा, ‘‘मैं सभी एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक करने के लिए शीघ्र ही श्रीनगर रवाना हो रहा हूं. ’’ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलहाल सऊदी अरब में हैं ।

हाई अलर्ट के बीच अमित शाह पहुंचे श्रीनगर



श्रीनगर पहुंच गए हैं। अमित शाह कश्मीर के हालातों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। बैठक में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, खुफिया एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रणनीति बनाने को लेकर चर्चा की जाएगी। वहीं, हमले के बाद जंगल में छिपे आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सच ऑपरेशन चल रहा है। डोंग स्कॉड और हेलीकॉप्टरों की मदद भी आतंकियों की तलाश में ली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक हमले में 26-27 लोगों के मारे जाने की आशंका है। तमाम सिक्कीरिटी फोर्सज के चीफ और बड़े अधिकारी भी जल्द कश्मीर पहुंच सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गुह मंत्री ने आर्मी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, पुलिस और आईबी अधिकारियों को आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कहा है। पूरे इलाके की 15 मुख्य पाइंट्स में घेराबंदी की गई है। आतंकियों की तलाश में सेना की विक्टर फोर्स समेत चातक टुकड़ियां उतारी गई हैं। ड्रोन और हेलीकॉप्टर से भी नजर रखी जा रही है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

वाइक की टक्कर से घायल, केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 22 अप्रैल (निप्र)। दुर्घटना के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। बोरखेड़ी चारण निवासी चैनराम पिता रमेशचन्द सूर्यवंशी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई मैं बाइक से पत्नी गंगाबाई के साथ कुकडेश्वर रिसतेदारी में जा रहा था, इसी दौरान खेड़ा फिरोजाबाद व अरनिया जटिया के बीच बाइक (एमपी 14 एनबी 0332) पर सवार दौड़ड़ा निवासी सूरज पिता प्रकाश सूर्यवंशी ने टक्कर मार दी, जिससे मुझे व मेरी पत्नी को चोट आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

आज से कुकडेश्वर के नवीन भवन में नियमित रूप से संचालित होगा टप्पा कार्यालय

नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। नायब तहसीलदार कुकडेश्वर नवीन छत्रोले ने बताया, कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा 20 अप्रैल 2025, को रामपुरा में नायब तहसीलदार कुकडेश्वर के नवीन भवन टप्पा कार्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है। कुकडेश्वर नायब तहसीलदार कार्यालय/ न्यायालय एवं कार्यालयीन कार्य आज 23 अप्रैल 2025 से नियमित रूप से टप्पा कार्यालय कुकडेश्वर के शासकीय चिकित्सालय के पास स्थित नवीन भवन में संचालित होंगे।

उधार दिए रुपए मांगे तो पीटा पिता-पुत्र सहित 3 पर केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 22 अप्रैल (निप्र)। उधार दिए 50 रुपए एक साल बाद मांगे तो मारपीट की। पुलिस ने पिता-पुत्र सहित 3 पर केस दर्ज किया। नारायणगढ़ अहीर मोहल्ला निवासी विजय पिता मोहनलाल यादव ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैंने कृष्णकुमार खटीक को एक साल पहले 50 रुपए उधार दिए थे, वापस मांगे तो कृष्णकुमार ने उसके बेटे सचिव व प्रकाश पिता लालचंद खटीक के साथ मिलकर गाली-गलौज की व हाथ-मुर्कों से मारपीट की, जिससे नीचे गिर गया और सिर में चोट लगने से खून निकलने लगा। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

ज्ञानोदय इंटरनेशनल में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। मंगलवार को ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई की पर्यावरण संरक्षण की मुहीम के अंतर्गत विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए गतिविधियां हुईं। इसमें बच्चों ने रंग-बिरंगी पेंटिंग और रचनात्मक चित्रकला से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने इससे संबंधित अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस मौके स्कूल विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमे, कोलाज मेकिंग व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं से बच्चों ने धरती बचाओ जीवन बचाओ का संदेश दिया। बच्चों को पृथ्वी दिवस मनाने के कारण को बताया। बच्चों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करने और उन्हें अपने पर्यावरण की रक्षा में योगदान देने के लिए प्रेरित करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जागरूकता पैदा करने के लिए पूरे स्कूल में पोस्टर और बैनर लगाए गए । छात्रों ने अपनी-अपनी कक्षाओं में आत्मनिर्भर ग्रह पृथ्वी को संतुलित और संरक्षित करने की शपथ ली। मुख्य अतिथि श्री दशरथ अखंड (वन विभाग) ने स्कूल ई- पत्रिका



उडान का विमोचन किया गया अतिथि ने कहा कि प्रकृति को नष्ट न करें। उसके संरक्षण में योगदान दें। कहा कि प्रदूषण नहीं फैलाएँ, बच्चों को इस संबंध में

समझाएँ और पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रकृति सरक्षण, पानी बचाएँ, पर्यावरण सुरक्षित का संकल्प दिलाया विशेष अतिथि में डॉ किरण नाहटा ने कहा कि 22

अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व पृथ्वी दिवस एक वैश्विक पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित

करना है। डॉ. प्रीति तिवारी ने कहा कि यह दिन सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहित करता है, और लोगों को यह याद दिलाता है कि पानी बचाने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने, पेड़ लगाने या कचरा पुनः उपयोग में लाने जैसे छोटे लेकिन निरंतर प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। संस्था प्राचार्य प्रदीप कुमार पांडे कहा कि आज जिस तरह से प्रकृति का दोहन हो रहा है उससे वैश्विक स्तर पर हमारे भविष्य के लिए चिंता होना स्वाभाविक है। विशालय की निदेशिका डॉ. गरिमा चौरसिया ने बताया कि 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्थन प्रदर्शित करने के लिए पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जाता है। पृथ्वी को बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक पेड़ लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। वृक्षारोपण से कई फायदे हैं। इससे हमें फल मिलते हैं, राहगीरों को छाया मिलती है और पक्षियों को आश्रय मिलता है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय वृक्षारोपण के लिए उभरता है, इसलिए अभी से तैयारी कर लेनी चाहिए। इस अवसर पर नि्द्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)
संपादक : ऐश्वर्य शर्मा
नीमच, बुधवार
23 अप्रैल 2025
वर्ष - 02, अंक - 51
- मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

MALWA FIRST
Periodicity- Weekly

इंदौर में सोना एक लाख के पार, पहली बार नगद में 99500 रुपये बिका

इंदौर 22 अप्रैल (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर सोना रोजाना नए-नए रिकार्ड की ओर अग्रसर है। मंगलवार को इंदौर में सोना केडबरी पिछले सारे रिकार्ड को तोड़ता हुआ नगद में 2300 रुपये बढ़कर 99500 और आरटीजीएस में 1800 रुपये बढ़कर 10100 रुपये प्रति दस ग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। पिछले दो कारोबारी दिवस में सोने के दाम करीब 4150 रुपये प्रति दस ग्राम पर बढ़ चुके हैं। शनिवार को इंदौर में सोना 95350 रुपये बिका था। इससे पहले सोने ने इतने ऊंचे दाम कभी नहीं देखे। व्हाइट हाउस

इससे पहले सोने ने इतने ऊंचे दाम कभी नहीं देखे। व्हाइट हाउस

ट्रक की टक्कर से राहगीर घायल

पिपलिया मण्डी 22 अप्रैल (निप्र)। ट्रक की टक्कर से रोड़ क्रास कर रहा व्यक्ति घायल हो गया। सुबह 10.30 बजे फोरलेन पर थड़ीद बालाजी के यहां रोड़ क्रास कर रहे बोंतलर्गज निवासी दशरथसिंह पिता अर्जुनसिंह को ट्रक (एचआर 55 एक्ज्यू 5623) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। जिससे दशरथसिंह घायल हो गया। सिर व कान में गंभीर चोट आई। जिन्हें एम्बूलेंस ने मंदसौर भर्ती कराया। पुलिस ने सुरेन्द्रसिंह पंवार की रिपोर्ट पर ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

12th
सफर जोश का
के बाद
मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमान्डेंट, इक्म टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये



सोनी कोचिंग क्लासेस

ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव ।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनौराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान

योजना लागू

5 लाख

रुपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार



आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

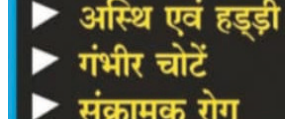
आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार निःशुल्क किए जाएंगें –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध





ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच 6262778282

देश में समाप्त होने के कगार पर नक्सलवाद



अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकिर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को

न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वर्ष 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले

नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़कते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतों में नक्सलवादियों की ताती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मार अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सेंटर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उर्दू और हिन्दी

महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड.पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता को गंगा-जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वास्तव में भाषा को बदनाम करना भारत की विविधता और बहुलतावादी सामाजिक संरचना को कमजोर करता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं है। इसी धरती पर पैदा हुई है और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता को न भाषाओं की समझ है, और न ही उर्दू और हिन्दी के उद्भव और विकास के बारे में कोई जानकारी है। सबसे पहली बात तो यह है कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है जिनमें उर्दू भी एक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में उर्दू शासकीय भाषा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हकीकत यह है कि हिन्दी भाषा का इस्तेमाल भी उर्दू शब्दों के बिना अधूरा है। हिन्दी शब्द स्वयं फारसी शब्द ‘हिंदवी’ से आया है। वास्तव में भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करती हैं। हिन्दी और उर्दू में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खड़ी बोली से विकसित हुई हैं। दोनों के व्याकरण और शब्दावली में काफी समानता है। लेकिन दोनों भाषाओं की लिपियां अलग-अलग हैं। हिन्दी देवनागरी में लिखी जाती है जबकि उर्दू की लिपि अरबी है। अँग्रेजों के समय में हिन्दी और उर्दू का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और दुर्भाग्य यह है कि यह गलतफहमी आज भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मसले पर फैसला सुनाते हुए बहुत ही मार्मिक अंदाज में कहा कि ‘हमें अपने पूर्वाग्रहों की सच्चाई से टकराने की जरूरत है। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।’ दरअसल, याचिकाकर्ता का तर्क था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड.पर उर्दू का इस्तेमाल गलत है। अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि मराठी का उपयोग अनिवार्य है, लेकिन उसके साथ अन्य भाषा के इस्तेमाल पर रोक नहीं है।

वितन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

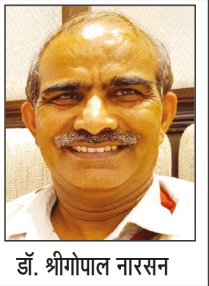
कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयादां का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे के हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्मा है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्गु-द्धि नहीं मिलेगी। मनु्य से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, रित्र तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अत: मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आईं और चली गईं मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सेंरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कंकिर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरोली जिला शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राऊ, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुड्डेम हैं।



डॉ. श्रीयोगेणार नारसन

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले



बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है।इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार

रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा है, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ़्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122

मुद्दा : तनाव जी का जंजाल



जिसकी वजह से वे अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। मानसिक तनाव अब केवल निजी समस्या न रह कर राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा है। युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृति के पीछे तनाव और मानसिक अस्थिरता मुख्य कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर सातवां व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। एनसीईआरटी के एक अध्ययन के अनुसार, स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले 81 फीसद बच्चे परीक्षा में अच्छ प्रदर्शन करने को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री के एक शोध के अनुसार देश में 62 फीसद युवा डिजिटल दिखावे के चलते तनाव में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मानसिक रूप से स्वतंत्रता और खुशहाल व्यक्ति के अंदर नये विचार और शोध नवाचार की भावनाएं बढ़ती हैं।

मानसिक तनाव और अस्थिर व्यक्ति उपभोग, निवेश और उद्यमिता से दूर हो जाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। तनाव और अशांति से घिरा व्यक्ति अपने कार्य को मनोयोग्यता और दक्षता के साथ नहीं कर पाता, जिससे वह जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हो, अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन नहीं कर पाता। इसके परिणामस्वरूप उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता घट जाती है। देश में बढ़ती मानसिक तनाव और उदारी की प्रवृत्तियों के कारण लोग अपराध का रुख अस्थिरा कर लेते हैं, जिससे देश में अपराध दर में वृद्धि होती है। यदि लोग अपने देश में संतोषजनक जीवन नहीं जी पाते, तो विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं। इससे देश की प्रतिभा का पलायन होता है, और योग्य मानव संसाधन की हानि होती है। ऐसे लोग, जो पूरी तरह से

खुशहाल और सामाजिक दबाव से मुक्त नहीं होते, संस्थाओं और नीति-निर्माताओं पर से विश्वास खो सकते हैं। परिणाम यह होता है कि लोकोतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, और जनभागीदारी में कमी आती है। भारत में 50 फीसद से अधिक युवा अपने करियर और निजी जीवन को लेकर तनाव में जीते हैं। देश में अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई, निर्धनता और बढ़ती महंगाई ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तनाव और चिंता की गिरफ्त में ले लिया है। देश तीव्र गति से आर्थिक विकास कर रहा है, और उन्नत तकनीकों के चलते लोगों का जीवन पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल हो गया है, फिर भी लोगों में तनाव और असंतोष की प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? देश की सबसे बड़ी पूंजी देश के नागरिकहोते हैं। जो देश जितना खुशहाल होगा, वह उतनी ही तेजी से उन्नति करेगा। आज जरूरत है सभी देशों को बाजारीकरण की होड़ से बाहर निकल कर अपने नागरिकों के लिए मंथन करने की। आखिर, क्या कारण हैं कि विज्ञान एवं तकनीकी की खोजों ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाने के साथ खुशी भी छिन ली हैं। आर्थिक विकास का आधार केवल सकल घरेलू उत्पाद की रैंकिंग नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, मानसिक स्वास्थ्य और नागरिकों की आत्मझरंखुष्टि जैसे कारकों पर आधारित होना चाहिए। एक खुशहाल देश में योग्य प्रशासन, रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार से मुक्त कल्याणकारी राष्ट्र बनाने की शक्ति समाहित होती है। खुशहाली ईसाओं का जीवन ही बेहतर नहीं बनाती है। बल्कि देश भी समृद्ध होता है। जब देश के सभी नागरिक प्रग्नन्ता से संपन्न होंगे तभी देश आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास संभव हो पाएगा।



बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्मों देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूँ। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूँ। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पछती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना
करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेंड्रे के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।



सामंथा ने इसलिए टुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रूथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े पर्दे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनों में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटारेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गई सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई थी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े पर्दे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने

अपनी युवावस्था में जो गलतियाँ कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियाँ उन्हें दोहराएँ। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूँ। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूँ। अगर मैं गिनने बैठूँ तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव टुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तेराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।



‘द फैमिली मैन’ के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलेजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की। बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतर और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।



गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम है, लेकिन ये जानकार आपको हेरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी

फिल्मों के बारे में।
क्रिमिनल
नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रिमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों में औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारी सामने आ रही है। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेंस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साई पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड कैस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।



जिला पंचायत सी.ई.ओ. एवं एडीएम ने की जनसुनवाई-115 आवेदकों की सुनी समस्याएं



नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। कलेक्टर सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला पंचायत सी.ई.ओ.अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने जनसुनवाई करते हुए 115 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जट निवासी अब्दुल हक़िम,पिपलिया मंडी की श्रीमती प्रेमलता भाटी,जेतपुरा की श्रीमती पुष्पाबाई,कनावटी के सुन्दर डागर, जालीनर की सोहनबाई, चीताखेड़ा की अर्वातिबाई, नीमच सिटी के अब्दुल मजीद,ग्राम

दारू के प्रकाश नाथ, मनासा के यश चौहान, बंगीचा नं 10 के रवि कुमार, बरथुन के राजेन्द्र सिंह, गिरदौडा के किशन सिंह, स्टेशन रोड नीमच के सुगना बाई, खातीखेडा के सुखलाल, दुरगपुरा के जयचंद्र, जयसिंहपुरा के बाबूलाल, तारापुर के जगदीश कुमावत, सकरानी के राधेश्याम ,हाडीपिल्या के जमनालाल, जावी के भंवलाल, बचाना के दिलीप, नाका नं4 नीमच की बेगमबानो, चंदपुरा की धापुबाई, माधवगंज मोहल्ला नीमच के मो.सोहेल, सिंगोली की कंचनबाई, महागढ़ के अशर मंसुरी, अंबेडकर कॉलोनी

नीमच के कन्हैयालाल, अठाना के प्रेमचंद्र, हतुनिया के कवरलाल, बंगाली कॉलोनी के कमल, अखेपुर की पुष्पाबाई ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाईं । एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का तत्परतापूर्वक निराकरण कर, संबंधित को समय-सीमा में अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, राजेश शाह, एसडीएम संजीव साहू सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बीजेपी को कब मिलेगा नया अध्यक्ष ?

RSS और शीर्ष नेतृत्व में मंथन शुरू, संगठन में भी दिखेंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली 22 अप्रैल (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पार्टी के अंदर इंतजार बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि अभी इसमें एक पखवाड़े का समय लेगा। भाजपा और आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व के बीच नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही भाजपा संगठन में बदलावों को लेकर विचार-विमर्श शुरू हो गया है। इस हफ्ते आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत तमाम वरिष्ठ नेता दिल्ली में होंगे। माना जा रहा है कि इसी दौरान शीर्ष स्तर पर विचार विमर्श पूरा कर लिया जाएगा।

नए अध्यक्ष पर जल्द बनेगी बात - भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पांच-छह राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव संपन्न होते ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड समेत कुछ राज्यों में अध्यक्षों का चुनाव इसी हफ्ते पूरा करने की योजना है। इसके साथ ही आरएसएस और भाजपा के बीच नए अध्यक्ष के नाम पर विचार-विमर्श भी पूरा कर लिया जाएगा।

कुकड़ेश्वर में साईबर ठगी से बचाव हेतु जनसंवाद कार्यक्रम

थाना प्रभारी ने आमजन को किया साईबर ठगी से जागरूक व यातायात नियमों के पालन हेतु किया जागरूक



कुकड़ेश्वर 22 अप्रैल (निप्र)। नीमच जिला पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशानुसार पुलिस थाना कुकड़ेश्वर में पुलिस थाना प्रभारी सौरभ शर्मा द्वारा आमजन से जन संवाद किया गया। वर्तमान के डिजिटल क्रांति के इस युग में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है। थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने आमजन को जन संवाद करते हुए बताया कि हमारा ज्यादातर काम ऑनलाइन हो गया

है या फिर हम अपने मनोरंजन के लिए इंटरनेट यूज करते रहते हैं। शॉपिंग से लेकर बिल भरने तक बैंक से जुड़े भी कई काम करने में हम ऑनलाइन मोबाइल, लैपटॉप या अन्य डिवाइस का प्रयोग करते हैं। कई बार जालसाज आपके इन उपकरणों को विभिन्न तरीकों से हैक करके आपका डाटा चुरा कर, ओटीपी लेकर, मुफ्त का लाभ या लालच भरी लिंक के माध्यम से साइबर क्राइम को अंजाम देते हैं। वही यातायात के दौरान हेलमेट का प्रयोग व यातायात के नियमों

का पालन जरूर करें। आप सतर्क रहें व अपने परिवार वालों को भी सतर्क करें। थाना प्रभारी सौरभ शर्मा दी गई जानकारी को उपस्थित महिला पुरुष उत्सुकता व गम्भीरता पूर्वक सुन रहे थे। व सभी ने पुलिस प्रशासन द्वारा किये जा रहे जन संवाद व साईबर क्राइम से बचाव व जनजागरूकता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी की सराहना की गई। जन संवाद के दौरान पुलिस टीम से एसएसआई दिलीप कुमार कलमोदिया, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्रसिंह आदि मौजूद थे।

युवा कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया 27 अप्रैल से शुरू

चुनाव प्रभारी लक्ष्मण सिंह सांखला ने सदस्यता पोस्टर का विमोचन किया



नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। मध्य प्रदेश में युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है , मंगलवार को कांग्रेस वकालतिय नीमच में सदस्यता एवं चुनाव के नियमों के विषय में चुनाव के उज्जैन संभाग प्रभारी लक्ष्मण सिंह सांखला ने कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को जानकारी देते हुवे बताया कि मध्य प्रदेश के युवा कांग्रेस चुनाव में इस बार डिजिटल प्रक्रिया अपनाई जा रही है। युवाओं से कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। चुनाव में मतदाता पहचान पत्र

की आईडी ही मान्य होगी। चुनाव में चुनाव प्रत्याशी को अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग व महिला का आरक्षण प्राप्त होगा , युवा कांग्रेस चुनाव की तैयारियां जॉर पर हैं। विभिन्न पदों के दावेदार 27 अप्रैल से 6 मई तक आवेदन फॉर्म भर सकता है इसके बाद 16 मई से सदस्यता एवं मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रत्येक कार्यकर्ता को मतदान के लिए पहले सदस्य बनना होगा सदस्य बनने के बाद चुनाव लड़ने व ऑनलाइन मतदान करने का अधिकार मिल जाएगा। सदस्य बनने के लिए अपने

दस्तावेज और फोटो भी ऑनलाइन सबमिट करने होंगे। ऑनलाइन आवेदन की जांच की जाएगी। चुनाव में चुनाव लड़ रहे अर्थथी या प्रत्याशी किसी भी कांग्रेस संगठन के नेता का फोटो अपने समाचार विज्ञापन या पत्रक में प्रकाशित नहीं करेंगे। केवल स्वयं का फोटो ही प्रकाशित करेंगे। चुनाव में कोई भी प्रत्याशी अपराधी नहीं होना चाहिए , क्रिमिनल केस होने पर चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होगा। जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह राठौड़ ने बताया कि सदस्य बनने के बाद एक कार्यकर्ता 6 पदों के

जिला चिकित्सालय नीमच में फायर सेफ्टी सप्ताह 21 से 26 अप्रैल तक आयोजित

नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र.के निर्देशानुसार स्वास्थ्य संस्थाओं को फायर सेफ्टी मानकों के अनुरूप विकसित करने और संस्था में कार्यरत सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को आगजनी की घटनाओं के प्रति निरंतर जागरूक व प्रशिक्षित करने के लिए 21 से 26 अप्रैल तक फायर सेफ्टी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ.एस.पाटिल ने बताया, कि इस वर्ष एकजुट हो, अग्नि सुरक्षित

भारत को प्रज्वलित करें, की थीम पर जिला चिकित्सालय में फायर सेफ्टी सप्ताह अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को वेबिनार के माध्यम से समस्त स्टाफ को फायर सेफ्टी से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। 22 अप्रैल को शपथ दिलाई गई व 23 अप्रैल को फायर मॉकड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। 24 व 25 अप्रैल को नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए विज्व व पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

अभियान चलाकर समग्र ई-केवायसी का कार्य शीघ्र पूर्ण करवाएं - वैष्णव

जिला पंचायत सीईओ जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। जिले के सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ अभियान चलाकर, 15 मई 2025 तक शतप्रतिशत हितग्राहियों के समग्र ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करवाएं। जिससे, कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का हितलाभ मिलने में कोई असुविधा ना हो। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष नीमच में समय सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ को दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, तीनों जनपद सीईओ एवं जिले की सभी नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।



नरवाई जलाने पर की जाए सख्त कार्यवाही - जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने बैठक में निर्देश दिए,कि जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया जा चुका

है। ऐसे में नरवाई जलाने पर राजस्व अधिकारी संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार अर्थदण्ड आरोपित कर, अर्थदण्ड की वसूली भी करें।

उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार को नरवाई जलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में ई-गवर्नेंस जिला प्रबंधक संदीप पाटीदार ने बताया,

कि सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों को जिन हितग्राहियों की ई-केवायसी हो गई है और जिनकी ई-केवायसी नहीं हुई है, उनकी सूची उपलब्ध करा दी है। जो वार्ड प्रभारी एवं कर्मचारी मोबाईल एप्प से ईकेवायसी का कार्य करेंगे, उसे प्रति ई-केवायसी 14 रुपये के मान से प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ वैष्णव ने निर्देश दिए, कि प्रत्येक नगरीय निकाय को प्रति वार्ड प्रभारी, प्रतिदिन 50-50 ई-केवायसी करवाने का लक्ष्य रखकर, कार्य करना है। वे यह लक्ष्य प्राप्त करें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवायसी के लिए शिविर आयोजित कर, शेष ई-केवायसी कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

विधानसभा कृषि समिति का नीमच, मंदसौर जिले के प्रस्तावित अध्ययन दौरा निरस्त

नीमच 22 अप्रैल (निप्र)। एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने बताया, कि म.प्र.विधानसभा कृषि विकास समिति की उज्जैन में 22 अप्रैल 2025 को सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार समिति का नीमच एवं मंदसौर जिले में प्रस्तावित अध्ययन दौरा अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है।

इसके साथ चेन्नई के संयुक्त आयकर आयुक्त ने कंपनी पर 2.84 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इंडिगो ने इनकम टैक्स की पेनाल्टी को बेबुनियाद बताया था। कंपनी ने कहा कि सेक्शन 143(3) के तहत असेसमेंट ऑर्डर के खिलाफ दायर अपील

अभी पेंडिंग है, लेकिन टैक्स अधिकारियों ने इसे खारिज मानकर जुर्माना लगा दिया। कंपनी ने आगे बताया कि वह इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाएगी और इस ऑर्डर को चुनौती देगी। पेनाल्टी का रेवेन्यू ऑपरेशन ऑपरेशन या बिजनेस पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भागवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।